हिन्दुस्तानी संगीत में स्नातक(बी0ए0)

<u>उद्देश्य</u> - *इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत के विभिन्न पहलुओं के शास्त्र से अवगत कराना एवं उनका क्रियात्मक ज्ञान प्रदान करना है|*

तृतीय सेमेस्टर हेतु माइनर कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	**कोर्स शीर्षक**	**कोर्स कोड**	**अंक**	**श्रेयांक**
1	**भारतीय शास्त्रीय संगीत का सिद्धांत**	BAMM(N)-**220**	**50**	**2**
प्रथम खण्ड	इकाई 1 – नाद, ग्राम**,** मूर्छना,जाति गायन,निबद्ध गान, अनिबद्ध गान, शुद्ध राग, छायालग राग, संकीर्ण राग, पूर्वांग वादी राग, उत्तरांग वादी राग, परमेल प्रवेशक राग, संधि प्रकाश राग ।			
	इकाई 2 – विष्णु दिगंबर स्वरलिपि पद्धति का परिचय एवं भातखंडे स्वरलिपि पद्धति से तुलना			
	इकाई 3 - ताल के दस प्राणों का संक्षिप्त अध्ययन			
	इकाई 4 - संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबंध			
	इकाई 5 **-** पाठ्यक्रम के रागों भूपाली एवं बिलावल का परिचय**,** स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना तथा उनमें छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत को तानों/तोड़ों सहित लिपिबद्ध करना ।			
	इकाई 6- पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना**;** पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल के ठेकों को दुगुन व चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना			
2	***क्रियात्मक एवं मौखिक परीक्षा*** II	BAMM(N)-**220**	**50**	**2**
द्वितीय खण्ड	इकाई 7 – पाठ्यक्रम के रागों भूपाली एवं बिलावल का परिचय			
	इकाई 8- पाठ्यक्रम के रागों भूपाली एवं बिलावल में छोटा ख्याल/ रज़ाखानी गत तोड़ों सहित			
	इकाई 9– पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल का परिचय।			
	इकाई 10 – एकताल में एक कायदा, दो पल्टों , तिहाई व एक टुकड़ा सहित।			
	इकाई 11 - कहरवा ताल के ठेके के प्रकार एवं उनकी वादन विधि			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल की पढन्त।			
	इकाई 13 - पाठ्यक्रम की तालों एकताल एवं कहरवा ताल के ठेकों को ठाह व दुगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 14 - हारमोनियम में किसी गीत/भजन का वादन			
	इकाई 15 - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
राग- भूपाली एवं बिलावल , ***ताल – एकताल एवं कहरवा***				